

# Mitch of India

# प्राणिकार ने प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं • 51] मई दिस्ली, श्रांसवार, विसम्बर 25, 1971/पश्च 4, 1893

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 25, 1971/PAUSA 4, 1893

इस भाग में भिन्न पूक्त संख्या दो जातो है जिससे कि यह ग्रामन संकलन के रूप में रक्ता जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II-- स 15 4

#### PART II—Section 4

रजा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये विधिक नियम और धावेश

# Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

#### MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 25th October 1971

- S.R.O. 464. In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 22-E, dated the 19th February, 1964, namely:—
- 1. These Regulations may be called the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous (Fourth Amendment) Regulations, 1971.
- 2. In the Naval Ceremonial, the Conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964 in regulation 382, after sub-regulation (i), the following sub-regulation shall be inserted:—
  - "(1A) An Officer who is required to report to the training establishment for medical examination before the commencement of training shall be entitled to the rates of pay and allowances admissible to regular officers of the Indian Navy of equivalent rank for a period not exceeding two days,"

[No. PA/3214/5959/D(N-II).]

## रका मंत्रालय

## नई दिल्ली, 25 श्रम्तुबर, 1971

का० नि० ग्रा० 464:—नौसेना ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुँये केन्द्रीय सरकाः एतद्द्वारा नौसैनिक ग्रीपचारिकता, सेवा की शर्ते ग्रीर प्रकीर्ण विनियम, 1964, में, जो भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की ग्रिधिसूचना सं० का० नि० ग्रा० 22-इ तारीख 19 फरवरी, 1964 के साथ प्रकाशित हुये थे, ग्रीर भ्रागे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित विनियम बनाती है, ग्रार्थात :——

- 1. (।) ये विनियम, नीसैनिक श्रीपचारिकता, सेवा की गार्ते श्रीर प्रकीर्ण (चतुर्थ संगोधन) विनियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।
- 2. नौसैनिक श्रौपचारिकता, सेवा की गत श्रौर प्रकीर्ण विनियम, 1964 में विनियम 382 में, उपविनियम (।) के पश्चात निम्नलिखित उपविनियम श्रन्तःस्थापित किया जायेगा :----
  - "(1क) वह ग्राफिसर, जिससे प्रशिक्षण प्रारम्भ होने से पूर्व चिकित्सीय परीक्षा के लिये प्रशिक्षण स्थापन में रिपोर्ट करना ग्रपेक्षित हैं, भारतीय नौसेना की समतुल्य पंक्ति के नियमित ग्राफिसरों को ग्रनुज्ञेय वेतन ग्रीर भत्ते की दरों पर दो दिन से ग्रनिधिक कालावधि के शिथे हकदार होगा।"

[सं० पी० ए०/3214/5959 छी०( एन-- $\Pi$ )]

## New Delhi, the 1st November 1971

- S.R.O. 465.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 22-E dated the 19th February, 1964, namely.—
- 1. These regulations may be called the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous (Fifth Amendment) Regulations, 1971.
- 2. In the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964,-
  - (i) in clause (a) of sub-regulation (10) of regulation 117, for the expressions "Rs. 30" and "Rs. 40", the expressions "Rs. 40" and "Rs. 45" shall respectively be substituted;
  - (ii) in clause (a) of sub-regulation (7) of regulation 118, for the expression "Rs. 40", the expression "Rs. 45" shall be substituted; and
  - (iii) in clause (a) of sub-regulation (6) of regulation 119, for the expression "Rs. 40", the expression "Rs. 45" shall be substituted; and
  - (iv) in clause (s) of sub-regulation (6) of regulation 120, for the expression "Rs. 40", the expression "Rs. 45" shall be substituted.

L. DAYAL, Jt. Secy.

# नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1971

का० नि० ग्रा० 465.—नौसेना ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 62) की घारा 184 द्वारा प्रदल्त मिन्तियों का प्रयोग करने हुये केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की ग्रिधिसूचना सं० का० नि० ग्रा० 22-क, तारीख 29 फरवरी, 1964 के साथ प्रकाणित नौसेना भ्रीपचारिकता सेवा की गर्ते ग्रीर प्रकीर्ण विनियम, 1964 में भ्रीर संगोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, श्रर्थात् :——

 इन विनियमों का नाम नौसेना श्रौपचारिकता, सेवा की मर्त श्रौर प्रकीर्ण (पांचवीं संशोधन) विनियम, 1971 होगा ।

- 2. नीसेना श्रीपचारिकता, सेवा की शत श्रीर प्रकीर्ण विनयम, 1964 में--
  - (i) विनियम 117 कें उप विनियम (10) के खण्ड (क) में "30 रु०" मौर "40 रु०" पदों के स्थान पर कमशः "40 रु०" भौर "45 ०" पद प्रतिस्था-पित किए जायेगैं ;
  - (ii) विनिमय 118 के उपविनियम (7) के खण्ड (क) में ''40 रु॰'' पद के स्थान पर "45 रु॰' पद प्रतिस्थापित किया जाएगा।
  - (iii) विनियम, 119 के उप विनियम (6) के खण्ड (क) में "40 रु॰" पद के स्थान पर "45 रु॰" पद प्रतिस्थापित किया जायेगा ;
  - (iv) विनियम, 120 के उप विनियम (6) के खण्ड (क) में "40 रु॰" पद के स्थान पर "45 रु∍" पद प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

एल० दयाल, संयुक्त सचिव ।

#### New Delhi, the 12th November 1971

S.R.O. 466.—In exercise of the powers conferred by section 8 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby prescribes the Commandant, Junior Leaders Wing, Infantry School, BELGAUM, an officer commanding a military organisation which, in the opinion of the Central Government is not less than a brigade, as the officer by whom the powers, which under the said Act may be exercised by an officer commanding a brigade, shall, as regards persons subject to the said Act who are serving under him, be exercised.

[No. F. 41776/PS. I.]

## नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1971

का० मो० आ० 466 - सेना प्रधिनियम, 1950 (1950 का 46) की धारा 8 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, कमाईट, जूनियर लीडर्स विंग, इन्फेन्ट्री स्कूल बेलगांव को, जो ऐसे सेना संगठन का समादेशन करने वाला अफसर है जो केन्द्रीय सरकार की राय में किसी बिगेड से कम नहीं है. एतद्दारा ऐसा श्रफसर नियुत्त करती है जो ऐसी शक्तियां प्रयुक्त करेगा जिनका प्रयोग किसी ब्रिगेड का अमादेशन करने वाला अफसर उक्त श्रविनियम के श्रधीन उन व्यक्तियों के विषय में कर सकेगा, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन हैं और जो उस अफसर के श्रधीन सेवा कर रहे हैं।

[सं० फा० ४१७७६/पी० एस०-1]

## New Dellis, the 8th December 1971

S.R.O. 467.—In pursuance of clause (b) of section 3 of the Indian Soldiers (litigation) Act, 1925 (4 of 1925) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 437 dated the 23rd November, 1971, the Central Government hereby declares that the service of soldiers during the military operations against external aggression in relation to which a proclamation of Emergency has been issued on the 3rd December, 1971, shall be deemed to be service under war conditions for the purposes of the said Act.

[No. F. 68258/PS, I.]

K. V. RAMANAMURTHI, Dy. Secy.

## नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1971

कार निः प्रार 467.— इण्डियन सोल्जर्स (मिटीगेशन) एक्ट, 1925 (1925 का 4) की धारा 3 के खण्ड (ख) के अनुरसण में ग्रौर भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की ग्रिधिसूचना संक कार निरु आर 437 तारीज 23 नवस्वर 1971 को ग्रीतिष्ठित करने हुए, केन्द्रीय

सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि में ह्या प्रभ्याक्रमण के विरुद्ध जिसके सम्बन्ध में भाषात की उदघोषणा 3 दि म्बर 1971 की की गई है सैनिक संक्रियाओं के दौरान सैनिकों की सेवा उक्त भ्रधिनियम के प्रयोजनों के लिये युद्ध की परिध्यितयों के भ्रधीन सेवा समझी जायेगी।

[सं॰ फा॰ 68258 पी॰ एस॰ 1]

का० वे० व्मणमृति, उप सचिव ।

## New Delhi, the 8th December 1971

- S.R.O. 468.—In pursuance of rule 11 of the Armed Forces Headquarters Clerical Service Rules, 1968, the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Armed Forces Headquarters Clerical Service (Lower Division Grade Compelitive Examination for Class IV Staff) Regulations, 1969, namely:—
- 1. (1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Clerical Service (Lower Division Grade Competitive Examination for Class IV Staff) (Third Amendment) Regulations, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Armed Forces Headquarters Clerical Service (Lower Division Grade Competitive Examination for Class IV Staff) Regulations, 1969, for sub-regulation (4) of regulation 8, the following sub-regulation shall be substituted, namely:—
  - "(4) Cardidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Secretarist Training School by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination."

[No. F. 94762/CAO/DPC.] A. K. MENON, Dy. Secy. and C.A.O. Min. of Def.

# नई दिल्ली 8 दिसम्बर, 1971

का० ति २ श्र. ० ४८ 8 — सशस्त्र यल मुख्यालय लिपिकय सेवा नियम 1968 के नियम 11 के श्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिकीय सेवा वर्ग 4 कर्म शिरिवृन्द के लिये निम्न श्रेणी ग्रेड प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम 1969 में श्रौर संशोधन क ने के िए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है श्रर्थात् :——

- (1) इन विनियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिकीय सेवा (वर्ग 4 कम-चारियृन्द के लिये निम्न श्रेणी-ग्रेड प्रतियोगिता परीक्षा (तृतीय संगोधन) विनियम 1971 होगा ।
  - (2) ये ाजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- 2. सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिकीय तेवा वर्ग 4 कर्मचारिक्न्द के लिये निम्न-श्रेणी ग्रेड प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम 1969 में विनियम 8 े विनियम (4) के स्थान पर निम्म-लिखिप उप विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा श्रयात :--
  - "(4) श्रनुसूचित जातियों श्रीर श्रनुसूचित जन जातियों के लिये श्रारक्षित रिक्तियों में से जितनी रिक्तियों साधारण स्तर के श्राधार पर नहीं भरी जा सकती हैं उनके

लिये सिवासय प्रशिक्षण स्कृत स्तर को शिथिल करके अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के किन्हों अभ्यियों की सिफारिश कर सकेगा जिसते कि आरक्षित कोटे में से कमी पूरी की जा सके किन्तु यह बात इसके अधीन है कि ऐसे अभ्यर्थी चाहे परीक्षाफ में गुणागुण के कम में उनका कोई भी स्थान हो, तथा में चयन के योग्य हों।"

[सं० फा० 94762/सी ए०ग्रो०डी०पी॰सी]

ए० के० मेनन, उपसचिव ।

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 8th December 1971

- S.R.O 469.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Defence No. S.R.O 256, dated the 7th July, 1971, relating to Corrigendum to the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970, published on page 641 in the Gazette of India, Part II, Section 4, dated the 24th July, 1971,—
  - (1) for sub-item (a) of item 2(ii), read:
    - (a) for "inclauses (a) (b) and (d) of sub-rule (1)", read "in clauses (a), (b) and (c) of sub-rule (1)";";
  - (2) for sub-item (ii) of item 5, read:
    - "(ii) at the end add

[F. No. 97313/CAO(DPC).]

D. K. BHATTACHARYA, Jt. Secy."

[No. F. 97313/CAO(DPC) E. A. LOBO, Asstt. C.A.O.

#### New Delhi, the 8th December 1971

**S.R.O.** 470.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Allahabad by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Captain H. K. Kalra.

[File No. 19/48/C/L&C/66/3447-C/1/D (Q&C).] नई दिल्ली 8 दिसम्बर, 1971

का० नि० मा० 470. — छावनी श्रिष्ठिमियम, 1924 (1924 का 2) की घारा 13की उपद्यारा (7) का स्रतुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा स्रिष्ठभूचित करती है कि छावनी बोर्ड इलाहाबाध की सदस्यता में कप्तान एच० के० कालरा के त्याग पन्न के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्सि हो गई है।

[फाइल सं • 19/48/सी/एल • एन्ड सी • /66/3347 सी • डी • क्यू • एन्ड सी • ]

S.R.O. 471.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Captain J. P. Singh has been nominated as a member of the Cantonment Board Allahabad vice Captain H. K. Kalra who has resigned.

[File No. 19/48/C/L&C/66/3447-C/2/D(Q&C).]

का० नि० म्रा० 471.— छावनी मधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का मनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् माश मधिसूचित करती है कि कप्तान जे०पी० सिंह को, कप्तान एच०के० कालरा के, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड इसाहाबाद के एक सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाईल सं ॰ 19/48/सी/एल० एन्ड मी०/66/3447-सी०/2/डी० (क्यु० एन्ड सी०)]

S.R.O. 472.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Morar by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri A. R. Jacob, Magistrate 1st Class.

[File No. 19/56/C/L&C/68/3448-C/1/D(Q&C).]

का० नि मा० 472.—-छावनी घिषिनियम 1924 (1924 का 2) की घारा 13 की उपघारा (7) के प्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा श्री ए० श्रार० जैकब अथम वर्ग मिजिस्ट्रेट, के त्यागपत्र को स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड मोरारकी सदस्यता में एक रिवित हो गई है।

[फ(इल सं ० 19/56/सी/एल ० एन्ड सी ०/68/3448-सी ०/1/डी ० स्यू ० एण्ड सी ०

S.R.O. 473.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri P. K. Dixit Magistrate 1st Class has been nominated as a member of the Cantonment Board Morar by the District Magistrate Gwalior in exercise of the powers conferred under section 13 (4) (b) of that Act vice Shri A. R. Jacob Magistrate 1st Class resigned.

[File No. 19/56/C/L&C/68/3448-C/2/D (Q&C).]

का० नि० भा० 473.— छावनी अधिनिवम, 1924 (1924 का 2) का धारा 13 की उन्धारा (7) के भ्रमुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्रिधसूचित करती है कि श्री पी० के० दीक्षित प्रथम वर्ग मिलस्ट्रेट को, उस अधिनियम की धारा 13 (4ख) के श्रधीन प्रदस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए जिला मिलस्ट्रेट ग्वालियर द्वारा श्री ए० भार० जैकब प्रथम वर्ग निजस्ट्रेट जिन्होंने त्थागपत्न दे दिया है, के स्थान पर छावनी बोर्ड मोरार के सदस्य के रूप में नामनिविध्नित किया ग्या है।

[फाइल सं 0 19/56/सी /एल ० एण्ड सी 0/ 68/3448-सी 0/2/डी ० (क्यू ० एण्ड सी ०) ]

## New Delhi, the 10th December 1971

S.R.O. 474.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby directs that the election to Ward No. IV Fatehgarh Cantonment shall be held on the 6th February, 1972

[File No. 29/66/C/L&C/66/3478-C/D (Q&C)]

## नई दिल्ली 10 दिसम्बर, 1971

का० नि० ग्रा० 474.— छावनी श्रधिनिमम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 6 फरवरी 1972 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को फतेहगढ छावनी के वार्ड 4 में साधारण निर्वाचन किए जाएंगें।

[फाइस सं० 2966सी एएस० एण्ड सी०/66/3478/सी/ डी० क्यू० एण्ड सी०) ]

S.R.O. 475.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Wellington by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Captain N. N. Sehgal.

[File No. 19/28/C/L&C/65/3475-C/1/D (Q&C).]

का० नि० का०475.— छावनी ग्रधिनियम, 1924 (1924का2) की बारा 13 की अपधारा (7) का ग्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरका एसब्द्वाश श्रधिसूचित करती है कि छावनी वं ड विलगटन की सदस्यता में कप्तान एन० एन० सहगल के त्यागपत्र के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं 0 19/28/सी 0 /एल 0 एण्ड सी 0 / 65/3475-सी / 1/डी (क्यू ० एण्ड सी 0)]

S.R.O 476.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri P. K. Poovaiah has been nominated as a member of the Cantonment Board Wellington vice Captain N. N. Sehgal who has resigned.

[File No. 19/28/C/L&C/65/3475-C/2/D (Q&C).]

का० नि० मा० 476.— छावनी म्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का म्रनुसरण करते हुए केन्सीय सरकार एत्रदृष्टारा म्रधिसूचित करती है कि ले० कर्नल म्राई० पी० पूवाया को, कप्तान एन० एन० सहगल के जिन्होंने त्यागपत्र दे दियाहै, स्थान पर छावनी बोर्ड विलिगटन के एक सदस्य के रूप में नामनिदिष्ट किया गया है।

[फाइल सं॰ 19/28/तो॰/एल॰ एण्ड पो/65/3475-सो॰/2/डी (स्पू॰ एण्ड सी॰) ]

New Delhi, the 14th December 1971

S.R.O. 477.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1921 (2 of 1924), the Central Government hereby noifles the election of the following person as member of the Cantonment Board, Shahjahanpur from the ward noted against his name, namely:—

Shri Sharma, U. R.

Ward No. V.

[File No. 29/71/C/L&C/66/3529-C/D (Q&C)]

S. P. MADAN, Under Secy.

## नई विल्ली, 14 विसम्बर, 1971

का० नि० मा० 477.— छावती भ्रधिनियम 1924(1924 का 2) की घारा 13 की उपधारा (7) का धनुसरण करते हुए केंद्रीय सरकार एत्रद्दारा भ्रधिसूचित करती है कि छ वनी बोर्ड, शाहजहांपुर के निम्नलिखित व्यक्ति उनके सामने लिख बोर्ड से सदस्य के रूप में निवाचित हुए हैं।

1- श्री शर्मा, यू० ग्रार०

वार्बनम्बर 5

[फाइल नं • 29/71/सी • /एल • एण्ड सी • / 663529-सी • / डो • / (क्यू • एण्ड सी • ) ]
एस • पी • मदान. अत्र सचिय ।